बिहार में बाढ़

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **बिहार राज्य ,**बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसमें **12 ज़िले जलमग्न हो गए हैं** और 12 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

प्रमुख बिंदु

- **बाढ़ की स्थिति:**
  - नेपाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड में भारी वर्षा के कारण उत्तर और दक्षिण बिहार की नदियों का जलस्तर बढ़ गया है ।
  - इस स्थिति के कारण बिहार में, विशेषकर गंगा जैसी नदियों के किनारे, व्यापक बाढ़ आ गई है।
- **प्रभावित क्षेत्र:**
  - इससे 12 ज़िले प्रभावित हुए हैं, जिनमें **बक्सर, भोजपुर, सारण, वैशाली, पटना , समस्तीपुर, बेगुसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर** और **कटिहार शामिल हैं** ।
  - निचले क्षेत्रों में रहने वाले कुल **12.67 लाख** लोग बढ़ते जलस्तर से प्रभावित हुए हैं।
  - इससे प्रभावित ट्रेनों में पटना-दुमका एक्सप्रेस, सरायगढ़ देवघर स्पेशल, जमालपुर-किउल मेमू स्पेशल और भागलपुर-दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस शामिल हैं।
  - बिहार **आपदा प्रबंधन विभाग (DMD) ने** बताया कि इस बाढ़ से **361 पंचायतें** प्रभावित हुई हैं।

बाढ़ क्या है?

- **परिचय:**
  - बाढ़ प्राकृतिक आपदा का सबसे प्रमुख प्रकार है और यह तब होता है **जब पानी का अतिप्रवाह भूमि** को जलमग्न कर देता है जो आमतौर पर सूखी होती है।
  - वर्ष 1998-2017 के बीच, बाढ़ के कारण दुनिया भर में 2 बिलियन लोग प्रभावित हुए हैं।
- **कारण:**
  - ये अक्सर भारी **वर्षा, तेज़ी से बर्फ पिघलने या तटीय क्षेत्रों में उष्णकटिबंधीय** चक्रवात या सुनामी से उत्पन्न तूफानी लहरों के कारण होते हैं।
- **बाढ़ के प्रकार:**
  - **आकस्मिक बाढ़:** ये तीव्र और अत्यधिक वर्षा के कारण होते हैं, **जिससे जल स्तर तेज़ी से बढ़ता है तथा नदियाँ, नाले, चैनल या सड़कें जलमग्न हो जाती हैं।**
  - **नदी द्वारा बाढ़:** ऐसा तब होता है जब लगातार **बारिश या बर्फ पिघलने से नदी** का जलस्तर अपनी क्षमता से अधिक हो जाता है।
  - **तटीय बाढ़:** ये उष्णकटिबंधीय **चक्रवातों और सुनामी** से संबंधित तूफानी लहरों के कारण होते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/flood-in-bihar